



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 563]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 28, 1979/पौष 7, 1901

No. 563]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 28, 1979/PAUSA 7, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 1979

का. जा. 873(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-बख की उप-धारा (1) के खण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. जा. 72(अ)/आई डी आर ए/74, तारीख 29 जनवरी, 1974 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी किए जाने के ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंजाटों, स्थाई आवेशों और अन्य लिखितों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) का, जिनका मसर्स हिन्द साइकिल लिमिटेड (बम्बई एकक) नामक औद्योगिक उपक्रम, या ऐसे औद्योगिक उपक्रम की स्वामी कम्पनी एक पक्षकार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए

निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं तथा दायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे ;

और उक्त आदेश की अवधि समय-समय पर 1 जनवरी, 1980 तक, जिसमें यह तारीख भी है, बढ़ा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अस्तित्वावधि 1 जनवरी, 1981 तक, जिसमें यह तारीख भी है, के लिए और बढ़ा दी जानी चाहिए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-बख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अस्तित्वावधि 1 जनवरी, 1981 तक, जिसमें यह तारीख भी है, के लिए और बढ़ाती है ।

[फा. सं. आई. एम. ई.-1(19)/78]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 28th December, 1979

S.O. 873(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 72(E)/18FB/IDRA/74, dated the 29th January, 1974 (hereinafter referred

to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs. Hind Cycles Limited (Bombay Unit), or the company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period ;

And whereas the duration of the said Order was extended from time to time upto and inclusive of the 1st January, 1980 ;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of the 1st January, 1981 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 1st January, 1981.

[F. No. IME-1(19)/78]

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 1979

का. आ. 874(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-बख की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास, मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 71(अ)/आई डी आर ए/74, तारीख 29 जनवरी, 1974 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) घोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी किए जाने के ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचादों, स्थाई आदेशों और अन्य लिखितों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) का, जिनका मसर्स हिन्द साइकिल लिमिटेड (गाजियाबाद एकक) नामक औद्योगिक उपक्रम, या ऐसे औद्योगिक उपक्रम की स्वामी कम्पनी एक पक्षकार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू किए जा सकते हैं, प्रवर्तन एक वर्ष, की अवधि के लिए

निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व, उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं तथा दायित्व उक्त अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे ;

और उक्त आदेश की अवधि समय-समय पर 1 जनवरी, 1980 तक, जिसमें यह तारीख भी बढ़ा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अस्तित्वावधि 1 जनवरी, 1981 तक, जिसमें यह तारीख भी है, के लिए और बढ़ा दी जानी चाहिए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-बख की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अस्तित्वावधि 1 जनवरी, 1981 तक, जिसमें यह तारीख भी है, के लिए और बढ़ाती है ।

[फा. सं. आई. एम. ई.-1(19)/78]

बादल राय, संयुक्त सचिव

S.O. 874(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 71(E)/18FB/IDRA/74, dated the 29th January, 1974 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs. Hind Cycles Limited (Ghaziabad Unit), or the company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period ;

And whereas the duration of the said Order was extended from time to time upto and inclusive of the 1st January, 1980 ;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of the 1st January, 1981 ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 1st January, 1981.

[F. No. IME-1(19)/78]

BADAL ROY, Jt. Secy.